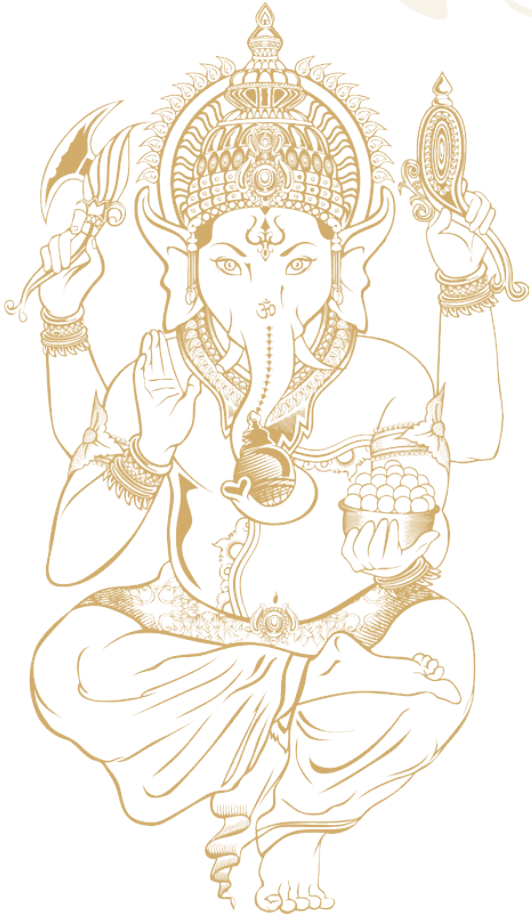

Pranjal Patel

11 Dec 1993

12:13 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121692007

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10-11/12/1993**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**00:13:00 घंटे**
इष्ट	43:37:23 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:04:16 घंटे
वेलान्तर	00:07:14 घंटे
साम्पातिक काल	05:22:16 घंटे
सूर्योदय	06:46:02 घंटे
सूर्यास्त	17:17:01 घंटे
दिनमान	10:30:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:57:20 वृश्चिक
लग्न के अंश	27:46:25 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:46:25	323:03:49	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	24:57:20	01:01:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	19:56:10	14:32:19	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	29:17:50	00:44:44	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	11:51:42	01:31:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			तुला	12:21:03	00:11:11	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	16:00:49	01:15:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	01:26:57	00:04:13	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	09:15:22	00:00:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	09:15:22	00:00:53	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	26:36:55	00:03:09	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप			धनु	25:55:25	00:02:01	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	02:33:23	00:02:16	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			वृष	27:33:32	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:35

लग्न-चलित

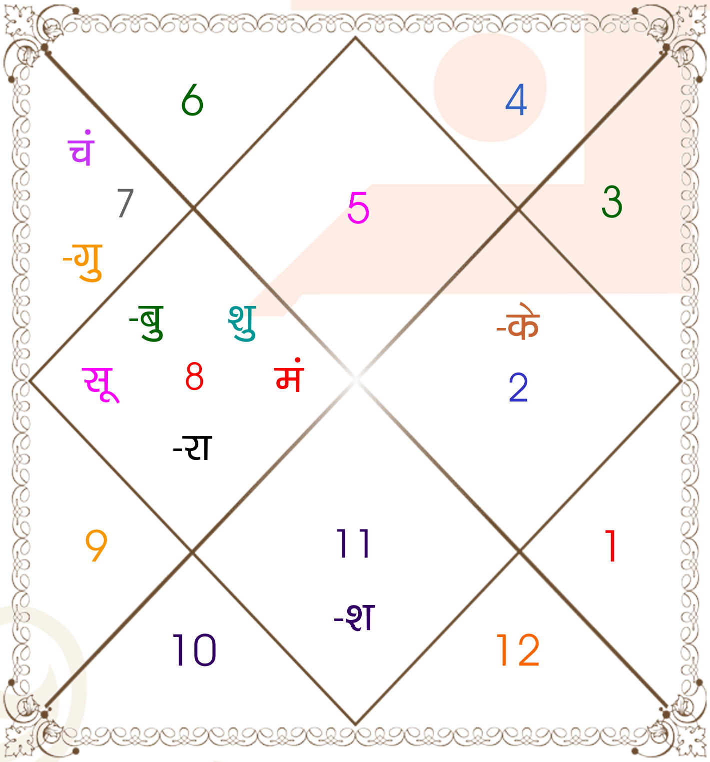

चन्द्र कुंडली

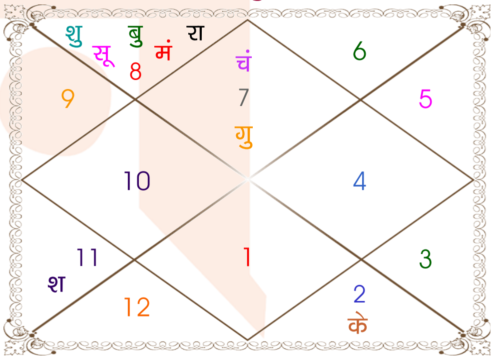

नवमांश कुंडली

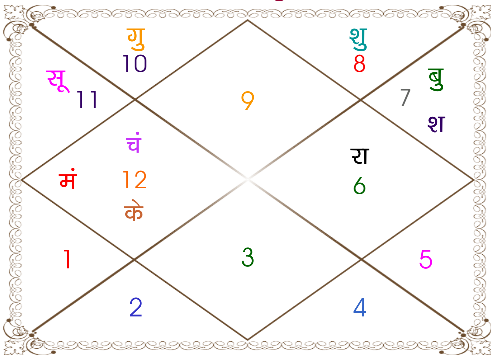

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 1 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
11/12/1993	**11/01/1994**	**11/01/2010**	**11/01/2029**	**11/01/2046**
11/01/1994	**11/01/2010**	**11/01/2029**	**11/01/2046**	**11/01/2053**
00/00/0000	गुरु 29/02/1996	शनि 14/01/2013	बुध 09/06/2031	केतु 09/06/2046
00/00/0000	शनि 11/09/1998	बुध 24/09/2015	केतु 06/06/2032	शुक्र 09/08/2047
00/00/0000	बुध 17/12/2000	केतु 02/11/2016	शुक्र 06/04/2035	सूर्य 15/12/2047
00/00/0000	केतु 23/11/2001	शुक्र 02/01/2020	सूर्य 11/02/2036	चंद्र 15/07/2048
00/00/0000	शुक्र 24/07/2004	सूर्य 14/12/2020	चंद्र 12/07/2037	मंगल 11/12/2048
00/00/0000	सूर्य 12/05/2005	चंद्र 16/07/2022	मंगल 10/07/2038	राहु 30/12/2049
00/00/0000	चंद्र 11/09/2006	मंगल 24/08/2023	राहु 26/01/2041	गुरु 06/12/2050
11/12/1993	मंगल 18/08/2007	राहु 30/06/2026	गुरु 04/05/2043	शनि 15/01/2052
मंगल 11/01/1994	राहु 11/01/2010	गुरु 11/01/2029	शनि 11/01/2046	बुध 11/01/2053

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
11/01/2053	**11/01/2073**	**11/01/2079**	**11/01/2089**	**11/01/2096**
11/01/2073	**11/01/2079**	**11/01/2089**	**11/01/2096**	**12/12/2113**
शुक्र 12/05/2056	सूर्य 30/04/2073	चंद्र 12/11/2079	मंगल 09/06/2089	राहु 24/09/2098
सूर्य 12/05/2057	चंद्र 30/10/2073	मंगल 12/06/2080	राहु 27/06/2090	गुरु 17/02/2101
चंद्र 11/01/2059	मंगल 07/03/2074	राहु 12/12/2081	गुरु 03/06/2091	शनि 25/12/2103
मंगल 12/03/2060	राहु 29/01/2075	गुरु 13/04/2083	शनि 12/07/2092	बुध 14/07/2106
राहु 13/03/2063	गुरु 18/11/2075	शनि 11/11/2084	बुध 09/07/2093	केतु 01/08/2107
गुरु 11/11/2065	शनि 30/10/2076	बुध 12/04/2086	केतु 05/12/2093	शुक्र 01/08/2110
शनि 11/01/2069	बुध 05/09/2077	केतु 11/11/2086	शुक्र 05/02/2095	सूर्य 26/06/2111
बुध 12/11/2071	केतु 11/01/2078	शुक्र 12/07/2088	सूर्य 12/06/2095	चंद्र 24/12/2112
केतु 11/01/2073	शुक्र 11/01/2079	सूर्य 11/01/2089	चंद्र 11/01/2096	मंगल 12/12/2113

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 1 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।